बजट में शिक्षा, चिकित्सा खेती व पर्यावरण का रखा विशेष ध्यान : प्रो. बिन्नानी

- माइन्स व मिनरल उद्योग को विकसित करने के लिए सिरेमिक की दृष्टि से बीकानेर मे सेंटर ऑफ ऐक्सीलेंस खुलना प्रस्तावित किया गया है
- ड्राईपोर्ट, रेल फाटक की समस्या व हवाई सेवाओं के विस्तार के मुद्दों पर बीकानेर को जरूर निराशा हाथ लगी है

बीकानेर,(कासं)। राजस्थान सरकार के इस बजट मे इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, चिकित्सा, खेती, पर्यावरण सहित सभी क्षेत्रो का ध्यान रखा गया है। यह एक लोकलुभावन बजट है जिसमें सभी क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करने की कोशिश की गई है।

एलपीजी, ऐवीएशन टरबाइन फ्यूल जैसी चीजों पर वेट करना स्वागत योग्य कदम है। बड़े उद्योगों के साथ-साथ एमएसएमई उद्योगों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है। बीकानेर को सोलर हब के रूप मे विकसित करने की दिशा दी गई है। माइन्स व मिनरल उद्योग को विकसित करने के लिए सिरेमिक की दृष्टि से बीकानेर मे सेंटर ऑफ ऐक्सीलेंस खुलना प्रस्तावित किया गया है। ड्राईपोर्ट, रेल फाटक की समस्या व हवाई सेवाओं के विस्तार के मुद्दों पर बीकानेर को जरूर निराशा हाथ लगी है। बीकानेर मे अटल इनोवेसन स्टूडियो खोलने की घोषणा से युवाओं को लाभ मिलेगा।

राजस्थान के बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स प्रिंसिपल, चिंतक व लेखक एवं मल्टी स्किल डवलपमेंट एसोसिएशन के सीईओ प्रोफेसर डॉ. नरसिंह बिनानी ने कहा कि बजट में शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, बिजली,पानी, पेयजल आदि जैसी अनेक जनकल्याणकारी घोषणाएं सराहनीय ह। इसी प्रकार गांवों, गरीबों, कार्मिकों, किसानों आदि के हितों से संबंधित विभिन्न घोषणाएं करना स्वागत योग्य है। परन्तु इस बजट में डीजल व पैट्रोल पर वेट की दरें कम नहीं करना आम जनता के लिए निराशाजनक है। इससे जनसामान्य को कोई फायदा नहीं हुआ है। बजट में उद्योगों, इंफ्रास्ट्रक्चर, चिकित्सा व स्वास्थ्य, परिवहन, सोलर ऊर्जा आदि के संबंध में बजट प्रावधानों में वृद्धि व अन्य घोषणाएं करना सकारात्मक परिणाम देने वाले हैं।

इसके साथ- साथ कर्मचारियों, छात्र-छात्राओं, महिलाओं संबंधी घोषणाएं आदि निश्चय ही प्रशंसनीय है। राज्य सरकार द्वारा अगामी पांच साल में चार लाख पदों पर सरकारी नौकरी देने, इस साल के सत्तर हजार के लक्ष्य को भी बढ़ाकर एक लाख युवाओं को सरकारी नौकरी देने, युवाओं के सर्वांगीण विकास हेतु युवा विकास नीति 2024 की घोषणा करना युवाओं के लिए निश्चय ही सकारात्मक घोषणाएं हैं।

इसी प्रकार वन डिस्ट्रिक्ट-वन स्पोर्ट स्कीम, संभाग स्तर पर स्पोर्ट्स कॉलेज खोलने, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी खोलने, राजस्थान यूथ आइकॉन अवॉर्ड देने, युवा महोत्सव आयोजित करने आदि जैसे कदम युवाओं की दृष्टि से सराहनीय है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अधिक बजट प्रावधानों, छूटों, सुविधाओं आदि का एलान करना बहुत अच्छा है। बजट में दस संकल्पों की घोषणा निश्चय ही सराहनीय है। किंतु इनका फायदा तो इनके वास्तविक क्रियान्वयन पर ही निर्भर करता है। अतः सभी घोषणाओं को धरातल पर लागू करना आवश्यक है। राज्य सरकार द्वारा जारी पहला पूर्ण बजट में राज्य के लाखों शिक्षकों को तबादला नीति के ड्राफ्ट को पेश करने की उम्मीद थी लेकिन पूरी नहीं हुई। उप प्राचार्य के 50 प्रतिशत पदों पर सीधी भर्ती सहित वेतन विसंगतियों को दूर करने, ग्रामीण क्षेत्रों में सेवाएं देने वाले शिक्षकों का महंगाई भत्ता बढ़ाने सहित पुरानी पेंशन के लिए विभागीय आदेश के संबंध में स्पष्टीकरण की मांग पूरी नहीं हुई है। राज्य बजट में शिक्षा विभाग में संवर्गों के हिसाब से कोई घोषणा नहीं हुई है। कुल मिलाकर राज्य बजट ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। इस बजट से शिक्षकों को मायूसी मिली है।

कांग्रेस ने बजट को दिशाहीन बताया : बीकानेर शहर महासचिव राहुल जादुसंगत ने बताया कि भाजपा सरकार ने जो बजट घोषित किया है वह दिशाहीन है। बीकानेर में भाजपा को सब कुछ दिया परंतु बीकानेर के लिए इस बजट में कुछ नहीं दिया। पिछली कांग्रेस की सरकार में बीकानेर में 36 करोड़ की लागत से बायोलॉजिकल पार्क बनाने की घोषणा की थी और काम भी शुरू हो गया। 10 पिंजरे भी बन चुके हैं लेकिन सरकार भाजपा से बजट नहीं मिला।

आज 7 माह हो गए काम ठप पड़ा लगता है। इस सरकार में पर्यटकों के लिए कोई जगह नहीं है। बीकानेर का बायोलॉजिकल पार्क भाजपा सरकार की उपेक्षा का शिकार हो रहा है। दूसरी तरफ सरकार ने बजट में छतरगढ़ और पूगल में सोलर पार्क की जो घोषणा की है।

हीमोग्लोबिन जांच शिविर

श्रीगंगानगर, (कासं)। भारत विकास परिषद प्रताप शाखा द्वारा हीमोग्लोबिन जांच शिविर का आयोजन विश्वास विद्या मन्दिर विद्यालय में किया गया।

सर्वप्रथम शोभा गौड द्वारा भारत विकास परिषद प्रताप शाखा व विश्वास विद्या मन्दिर संस्था के सदस्यों को मंचासीन करवाया गया। उसके बाद स्वामी विवेकानन्द व भारत माता की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रवज्जलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। विद्यालय की बालिकाओं द्वारा स्वागत गीत गाकर अतिथिगणों का स्वागत किया गया। विश्वास विद्या मन्दिर संस्था की वरिष्ठ सदस्य मंजू गोयल द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया व विद्यालय के बारे में संक्षिप्त परिचय दिया गया।

भारत विकास परिषद के प्रान्तीय सलाहकार समिति के सदस्य शिव शंकर मितल द्वारा संबोधन में भारत विकास परिषद का संक्षिप्त परिचय दिया गया व आयोजित हुए कार्यकमों के बारे में बताया। डॉ. दिशा गोयल द्वारा बालिकाओं को महावारी के प्रोसेस के बारे में व उसकी स्वच्छता के बारे में बताया गया। टी.सी. तायल व जागीर फरमा ने अपने विचार रखे। इस कार्यकम में समिति सचिव सुनील गोयल द्वारा भजन प्रस्तुती दी गई। बेटी बचाओं व बेटी पढ़ाओ को प्रोत्साहन देने के लिए कक्षा 8 की ज्योति द्वारा व्याख्यान प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम के अंत में 51 बालिकाओं व 9 विद्यालय की अध्यापिकाओं का हीमोग्लोबिन की जांच व ऊंचाई भी मापी गई।

तेज रफ्तार कार पलटी, नागौर के दो युवकों की मौत

- इसी मार्ग पर एक अन्य हादसे में दो युवकों की मौत और तीन घायल हुए

बीकानेर, (कासं)। नापासर थाना इलाके में भारतमाला सड़क पर तेज रफ्तार कार पलटी, जिसमें नागौर के दो युवकों की मौत हो गई। दो जने घायल हुए। इसी मार्ग पर एक अन्य हादसे में दो युवकों की मौत और तीन घायल हुए।

इसी तरह कोलायत थाना इलाके में सप्ताहभर पहले एक तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने दो श्रमिकों को चपेट में ले लिया, जिससे उनकी मौत हो गई। देशनोक थाना इलाके में पलाना ओवरब्रिज के पास एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी, जिससे पिता-पुत्री समेत तीन जनों की मौत हो गई। बीकानेर जैसे हिस्से में भी दर्जनों ऐसी कहानियां हैं, जिनमें रफ्तार ने कहर बरपाया और दर्जनों लोग हताहत हुए। ऊपर दिए गए कुछ उदाहरण तो नजीर मात्र हैं।

तेज रफ्तार वाहन चालकों को उनके गंतव्य तक तो नहीं हादसों तक जरूर पहुंचा रही है। जानकारी के मुताबिक, जिले के विभिन्न पुलिस थाना इलाके में पिछले एक माह में 13 सड़क हादसे हुए, जिसमें 17 लोगों की मौत और 39 लोग घायल हुए हैं।

दरअसल जिले में होने वाले हादसों में 75 फीसदी ओवरस्पीड और क्षमता से अधिक सवारियां ढोने के कारण हो रहे हैं। वहीं दोपहिया वाहन चालकों का बिना हेलमेट वाहन चलाना इन हादसों में मरने वालों का आंकड़ा बढ़ा रहा है। 'बी' श्रेणी के शहरों में शामिल बीकानेर में दोपहिया वाहन पर बैठी दोनों सवारियों के सिर पर हेलमेट दिखना तो दूर की बात, चालक के सिर पर भी हेलमेट नजर नहीं आता। यातायात पुलिस हर साल कार्रवाई बढ़ा रही है, लेकिन वाहन चालक हैं कि यातायात नियमों का पालन करने से कतरा रहे हैं।

यातायात निरीक्षक लक्ष्मण सिंह राठौड़ के मुताबिक सड़कों पर चलने वाले 70 फीसदी चालकों को यातायात नियमों की जानकारी है लेकिन वे इनकी पालना नहीं करते। इससे भी हादसे हो रहे हैं। छात्र भी तेजी दोपहिया वाहने दौड़ाते हैं, जिससे कई बार दुर्घटनाएं हो चुकी हैं।

पुलिस के अनुसार पिछले चार-पांच साल के हादसों का आंकलन करने पर पर यह तथ्य सामने आता है कि ज्यादातर हादसे ओवर स्पीड की वजह से हुए। लिहाजा अब पुलिस ओवर स्पीड वाहनों पर लगाम लगाने की तैयारी कर रही है। पिछले साल की तुलना में इस साल पांच महीनों में ताबड़तोड़ कार्रवाई हुई है।

तेजस्विनी गौतम, पुलिस अधीक्षक बीकानेर का कहना है कि राजमार्गों पर तेजगति हादसों का कारण बन रही है। जयपुर राजमार्ग पर स्पीडोमीटर लगवाए गए हैं। वहीं जिले में दो इंटरसेप्टर गाड़ी तेजगति वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। मजबूरन और सख्ती करनी पड़ेगी। जुर्माना लगाने के साथ-साथ सीज की कार्रवाई भी करेंगे। पुलिस का प्रयास है कि हादसों में कमी आए और लोगों की जान बच सके।

सर्कल तोड़ कर निकाला तीन सौ फीट लम्बा ट्रक : श्रीडूंगरगढ़ में घूमचक्कर से 1200 से ज्यादा टायर और करीब 300 फीट से ज्यादा लम्बे व हजारों टन वजनी तीन विशालकाय ट्रक कांडला पोर्ट से पानीपत रिफाइनरी तक जाने के दौरान श्रीडूंगरगढ़ से होकर गुजरे। ट्रकों को यहां से पार करवाने के लिए ऐहतिहात के तौर पर घूमचक्कर इलाके की बिजली बंद करवाई गई है।

घूमचक्कर सर्कल को एक साइड से आधा तोड़कर क्रेन से मार्ग बनाकर ट्रकों को निकाला गया। वहीं कौतूहल का विषय बने विशालकाय ट्रकों का लोगो ने फोटो-वीडियो भी बनाए। जानकारी के अनुसार हर एक ट्रक के 384 टायरों वाले 100 फीट लम्बे डाले को 20 टायरों वाले दो विशेष पॉवरफुल ट्रकों से खींचा जा रहा है।

प्रो. ज्याणी का जुनून, पौधरोपण बना जीवन का ध्येय

- धरती को हरा भरा करने के लिए प्रो. ज्याणी 20 साल से जुटे हुए हैं

बीकानेर, (कासं)। जीवन में सफलता प्राप्ति के लिए लक्ष्य का निर्धारण और लक्ष्य की प्राप्ति के लिए जोश व जुनून का होना जरूरी होता है। कठोर मेहनत, परिश्रम और जुनून के साथ किए जाने वाले कार्य का परिणाम भी सकारात्मक रहता है। ऐसा ही बीकानेर के कई पर्यावरण और प्रकृति प्रेमियों ने कर दिखाया है।

धरती को हरा-भरा बनाना और भविष्य को सुरक्षित बनाना ही इनके जीवन का ध्येय बना हुआ है। परिवार, समाज, कार्यक्षेत्र और जीवन की अनेक मुश्किलों और संघर्षों के बावजूद ये न डिगे हैं और न ही लक्ष्य से विचलित हुए हैं। ये न केवल वर्षों से पौधरोपण कर रहे हैं, बल्कि पौधों की देखभाल बच्चों की तरह कर उनको बढ़ाने में भी जुटे हैं। इनकी ओर से लगाये गए पौधे अब घने वृक्ष व सघन वन का रूप ले चुके हैं। वर्षों से पौधरोपण व उनकी देखभाल इनके जीवन का अभिन्न अंग बना हुआ है। कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत व पर्यावरण प्रेमी श्यामसुंदर ज्याणी है। प्राकृतिक रूप से पनपने वाली वनस्पति और पेड़-पौधे लगें, भूमि सुरक्षित रहे, इसी उद्देश्य में पिछले 20 वर्षों से जुटे हैं। डूंगर कॉलेज में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत पर्यावरण प्रेमी श्यामसुंदर ज्याणी कहते हैं कि पेड़ को परिवार के सदस्य के रूप में माना जाए उसकी देखभाल की जाए।

इसके लिए पारिवारिक वानिकी के विचार को घर-घर और गांव-गांव तक पहुंचाने की कोशिश की। गांधी वन की शुरूआत की। यह विचार 18 हजार गांवों तक पहुंचाया। 40 लाख पेड़ लगे। करीब 20 लाख परिवार इससे जुड़े। भूमि संरक्षण के लिए श्यामसुंदर ज्याणी संयुक्त राष्ट्र संघ के लैण्ड फॉर लाइफ अवार्ड से भी सम्मानित हो चुके हैं। ज्याणी के प्रयासों से अब सैकड़ों स्थानों पर हजारों पेड़ लग चुके हैं। ज्याणी अपने वेतन की राशि भी इस कार्य के लिए समर्पित कर रहे हैं।

कूडो खिलाड़ियों को प्रशिक्षण

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर के कूडो खिलाड़ियों को नेशनल और इंटरनेशनल स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए आज रेलवे क्लब में ऑल इंडिया ट्रेनिंग सेमिनार का आयोजन पीएसटी मार्शल आर्ट एकेडमी की ओर से किया गया।

सेमिनार में तीन मार्शल आर्टिस्टों के द्वारा खिलाड़ियों को विश्व स्तरीय कूडो के नये वर्जन और तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जापान से आए वर्ल्ड चैम्पियन तेरागुच्ची नोरोहिडे ने खिलाड़ियों को कूडो की तकनीकों की जानकारी दी। वर्ल्ड चैम्पियन तेरागुच्ची नोरोहिडे 2 महीने भारत के 16 राज्यों के जाकर खिलाड़ियों को कूडो की तकनीकों की जानकारी देंगे ताकि भारत के खिलाड़ी भी इंटरनेशनल स्तर पर देश का नाम रोशन कर सकें।

अमानक की आशंका पर 892 किलो घी सीज

- संस्थान मालिक को घी न बेचने के लिए पाबंद किया, सैम्पल लैब में भिजवाए

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में चल रहे शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान के तहत चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बुधवार को एक कार्रवाई करते हुए बड़ा बाजार में स्थित एक गोदाम पर दबिश दी। इस कार्रवाई के दौरान टीम ने करीब 892 लीटर देशी घी सीज किया एवं मौके से दो सैंपल लिए।

सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि विभाग को सूचना मिली थी कि शहर में दो ब्रांड विशेष के देशी घी बेचा जा रहा है, जिसके अमानक होने की आशंका है।

जिस पर टीम ने मौके पर जाकर गोदाम का निरीक्षण किया और अमानक की आंशका पर सांवरो ब्रांड एवं ओरियो ब्रांड का देशी घी के दो सैंपल लिए और मौके पर ही सांवरो ब्रांड का 654 किलो व ओरियो ब्रांड का 228 किलो घी सीज किया। वहीं संस्थान मालिक को घी न बेचने के लिए पाबंद किया।

इस दौरान सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला स्वयं सहित एफएसओ कंवरपाल एवं हंसराज गोदारा मौजूद रहे। लिए गए सैंपल तत्काल लैब में भिजवाए गए हैं, जिनकी रिपोर्ट आने पर आगामी कार्रवाई की जायेगी।

सीएमएचओ डॉ. सिंगला ने आमजन से अपील है कि जहां भी अशुद्ध, मिलावटी व अवधिपार खाद्य सामग्री बेचने की आशंका हो, उसकी शिकायत अवश्य करें। आगामी दिनों में इस तरह की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

सीओआईईसी विनोद बिश्नोई ने बताया कि आमजन 9462819999 पर वाट्सएप मैसेज या 181 पर शिकायत दर्ज करवा सकते हैं। यदि शिकायत की पुष्टि होती है और इस दौरान लिया गया सैंपल अनसेफ मिलता है तो सूचना दाता को 51000 रूपए की इनामी राशि दी जाती है।

कृषि भवन में पौधारोपण

बीकानेर,(कासं)। हरित राजस्थान की परिकल्पना के साथ बुधवार को कृषि भवन बीकानेर परिसर में पौधारोपण किया गया।

संयुक्त निदेशक (कृषि) कैलाश चौधरी ने बताया कि कृषि भवन परिसर में उद्यान, वन और फल प्रजाति के 100 से अधिक पौधों का रोपण किया गया। साथ ही पूर्व में रोपित पौधों की देखभाल, खरपतवार हटाने, खाद व पानी डालने का कार्य भी इस मुहिम के तहत किया गया।

इस दौरान विभागीय अधिकारियों ने भविष्य में पौधों के देखभाल की शपथ ली। इस दौरान विभागीय अधिकारी भैराराम गोदारा, प्रेमाराम, ओमप्रकाश तर्ड, डॉ. मानाराम जाखड़, धन्नाराम बेरड़, प्रेमकुमार और मुकेश गहलोत आदि मौजूद थे।